माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सतत् एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) योजना की विभिन्न गतिविधियों व समस्याओं के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों का अभिमत

डॉ. रेखा सोनी*

सारांश

प्रस्तुत शोधकार्य का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सतत् एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) योजना की विभिन्न गतिविधियों व समस्याओं के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों का अभिमत ज्ञात करना है। प्रस्तुत शोधकार्य में न्यादर्श के रूप में 120 विद्यार्थी व 30 अध्यापकों का चयन किया गया है। दत्त संकलन हेतु (i) "CCE Questionnaire for Teachers of Hindi" (ii) "CCE Questionnaire for Students of Hindi" का प्रयोग किया गया है तथा निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के तहत रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी सभी गतिविधियों को विद्यालयों में सही समय एवं सही तरीके से करवाने में शिक्षक अपनी रुचि दिखाते हैं।

प्रस्तावना

शिक्षा शब्द का पर्याय श्म्कनबंजपवदश शब्द लेटिन भाषा के 'Educatum' शब्द से निकला है। इसमें दो शब्द शामिल है 'इ' (E) और 'डूको' (Duco) ई का अर्थ अन्दर से बाहर की ओर, श्क्नबवश का अर्थ है आगे बढ़ना। 'Education' का अर्थ अन्दर से बाहर की ओर बढ़ना या विकसित होना है। शिक्षा व्यक्ति की आन्तरिक शक्तियों को विकसित करने की प्रक्रिया है। व्यवहार में शिक्षा शब्द का प्रयोग दो अर्थों में किया जाता है। संकुचित एवं व्यापक। संकुचित अर्थ में शिक्षा संस्थाओं में थोड़े वर्षों की होने वाली पढ़ाई अथवा प्रशिक्षण है। इसमें किसी निश्चित स्थान पर कुछ निश्चित व्यक्तियों द्वारा कुछ निश्चित माध्यमों से निश्चित पाठ्यक्रम की शिक्षा दी जाती है।

शोध की आवश्यकता व महत्व

सतत् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली नवीन है, जिसके फलस्वरूप इससे सम्बन्धित कई समस्याएँ प्रकट हो रही है। अतः शोधकर्ता शोध के माध्यम से हिन्दी विषय में माध्यमिक स्तर पर इन समस्याओं को जानना चाहता है। जिसका समाधान आगे चलकर किया जा सके। इसके अतिरिक्त आंतरिक मूल्यांकन एवं शैक्षिक उपलब्धि पर कई अनुसंधानकार्य पूर्व में संपादित हुए है, परन्तु हिन्दी विषय में CCE प्रणाली नवीन है एवं इससे सम्बन्धित कोई शोधकार्य न होने के कारण शोधकर्ता द्वारा इस क्षेत्र में कार्य करना उचित पाया गया। शोध के माध्यम से ही मूल्यांकन की वर्तमान स्थिति का पता लगाकर उससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है। साथ ही इसी संदर्भ में शिक्षक एवं विद्यार्थियों की राय से अवगत होकर समस्याओं से सम्बन्धित सुझाव भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

समस्या कथन

''माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सतत् एवं समग्र मूल्यांकन (CCE) योजना की विभिन्न गतिविधियों व समस्याओं के प्रति शिक्षकों व विद्यार्थियों का अभिमत''

शोध के उद्देश्य

(1) माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षकों का अभिमत ज्ञात करना ।

(2) माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में विद्यार्थियों का अभिमत ज्ञात करना ।

शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ

(1) माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षकों का अभिमत।

*उप–प्राचार्या, श्रीगंगानगर शिक्षक प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर (राजस्थान)

(2) माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में विद्यार्थियों का अभिमत।

शोध विधि

शोध की प्रकृति को देखते हुए 'आदर्श मूलक सर्वेक्षण विधि' का चयन किया है।

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श

क्र.सं.	न्यादर्श की इकाई	आकार
1.	CBSE निजी विद्यालय	**10**
2.	अध्यापक (10 3)	**30**
3.	विद्यार्थी (10 12)	**120**

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण

(1) माध्यमिक स्तर

माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 9वीं तथा 10वीं कक्षा से है।

(2) सतत् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली

सतत् एवं समग्र से तात्पर्य यह है कि CBSE बोर्ड द्वारा लागू की गई मूल्यांकन प्रणाली से है जो बालकों का सर्वांगीण विकास करने हेतु अपनाई गई है। यह एक प्रक्रिया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

(i) "CCE Questionnaire for Teachers of Hindi"
(ii) "CCE Questionnaire for Students of Hindi"

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध कार्य में मूल आंकड़ों का विश्लेषण करने हेतु प्रतिशत निकाला गया है।

परिकल्पनाओं की विवेचना

प्रस्तुत शोध में उद्देश्यों के आधार पर परिकल्पनाओं का विश्लेषण निम्नलिखित रूप में किया जा रहा है :–

परिकल्पना सं. 1

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षकों का अभिमत।

सारणी संख्या 4.1

क्षेत्र	शिक्षकों की कुल संख्या	सहमत	असहमत	तटस्थ	परिणाम
मध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में रचनात्मक आकलन से सम्बन्धित गतिविधिया	30	24	4	2	24
	प्रतिशत	80%	13.3%	.67%	80%

सारणी के अवलोकन से ज्ञात होता है कि 80 प्रतिशत विद्यार्थियों को "सतत् एवं समग्र मूल्यांकन" प्रक्रिया के अंतर्गत माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों का आंकलन किया जाता हैं।

परिकल्पना सं. 2

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित समस्याओं के संदर्भ में विद्यार्थियों का अभिमत।

सारणी संख्या 4.2

क्षेत्र	शिक्षकों की कुल संख्या	सहमत	असहमत	तटस्थ	परिणाम
माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में रचनात्मक आकलन से सम्बन्धित गतिविधियाँ	120	108	10	2	108
	प्रतिशत	90%	8.3%	1.7%	90%

सारणी से स्पष्ट है कि बइेम में माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में 90 प्रतिशत विद्यार्थियों अनुसार सीसीई प्रणाली के अंतर्गत रचनात्मक आकलन (FA) से सम्बन्धित गतिविधियों को करवाया जाता हैं और इसके आधार पर विद्यार्थियों का आंकलन किया जाता हैं।

परिकल्पना 1

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अन्तर्गत रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी गतिविधियों सम्बन्धी निष्कर्ष

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के तहत रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी सभी गतिविधियों को विद्यालयों में सही समय एवं सही तरीके से करवाने में शिक्षक अपनी रुचि दिखाते है साथ ही इस क्रियाविधि से सहमत हैं।

परिकल्पना 2

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सीसीई प्रणाली के अन्तर्गत रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी गतिविधियों के क्रियान्वयन में विद्यार्थियों की भूमिका सम्बन्धी निष्कर्ष

निष्कर्ष

माध्यमिक स्तर पर हिन्दी विषय में सतत् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली के अन्तर्गत करवाई जाने वाली रचनात्मक आंकलन सम्बन्धी गतिविधियॉ सही हैं और रुचिकर भी हैं।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध के द्वारा माध्यमिक स्तर के हिन्दी विषय अध्यापक CCE प्रणाली में मूल्यांकन में सुधार कर सकेंगे। शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को प्रत्येक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित कर सकेंगे। शिक्षक रचनात्मक आकलन के तहत् करवाई जाने वाली गतिविधियो को अधिक से अधिक करवाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक रचनात्मक एवं योगात्मक आकलन CBSE द्वारा तय प्रारूप के अनुसार करने का प्रयास करेंगे।

भावी शोध हेतु सुझाव

प्रस्तुत शोध के अध्ययन के बाद भावी शोध हेतु निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत है–

1. इस शोधकार्य छोटे न्यादर्श पर किया गया है, समय सीमा अधिक होने पर विस्तृत न्यादर्श पर भी किया जा सकता है।
2. यह शोधकार्य श्रीगंगानगर, पिलीबंगा, सुरतगढ एवं हनुमानगढ़ शहर तक ही सीमित है। इसे अधिक शहरों को सम्मिलित करके तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
3. सतत् एवं समग्र मूल्यांकन प्रणाली एवं परम्परागत मूल्यांकन प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।
4. यह शोधकार्य उच्च माध्यमिक स्तर पर भी किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

अग्रवाल, जे.सी. (1995) : भारत में प्राथमिक शिक्षा नई दिल्ली : विद्या विहार।

अग्निहोत्री, आर. (1989) : भारतीय शिक्षा की वर्तमान समस्याएँ, मेरठ : सूर्या पब्लिकेशन।

भटनागर, सुरेश (1997) : आधुनिक भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ, मेरठ : लॉयल बुक डिपो।

ढौंढियाल, एस.एन.; फाटक, ए.बी. (2003) : शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र, जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।